स्पष्ट है गलत फीडबैक के आधार पर जिलों की घोषणा हुई!

जिलों के सीमांकन से पहले बढ़ा विवाद, मुख्यमंत्री को विधायकों से करनी पड़ी बात

- विवादों से निपटने के लिए कई जिलों की घोषणा होगी वापस, सीमांकन करना सबसे बड़ी चुनौती
- दो दिन पहले ही दूदू में जबरन शामिल कराने का विरोध करते हुए सांभर-फुलेरा और जोबनेर की जनता ने किया था अजमेर हाईवे जाम

जयपुर, (का.प्र.)। जैसी संभावना थी, ठीक वैसा ही हो रहा है और राजस्थान में नए जिलों का विवाद अब सड़कों पर आ गया है। पहले धरने प्रदर्शनों से शुरू हुआ यह विवाद अब हाईवे जाम, आंसू गैस और हिरासत तक पहुंच गया है। ऐसे में सीमांकन की घोषणा और जिलों की अधिसूचना जारी होने से पहले ही मुख्यमंत्री इस विवाद को सुलझाने में जुट गए हैं। हालांकि अब सरकार के भी यह बात समझ आ गई है कि गलत फीडबैक के आधार पर जिलों का फैसला किया गया था।

वैसे तो राजस्थान में जिलों की घोषणा होने के बाद लगभग सभी जिलों में विवाद की स्थिति है और यह विवाद जयपुर शहर के दो टुकड़े करने और जयपुर ग्रामीण में कोटपूतली- बहरोड़ के अलावा दूदू को जिला बनाने के बाद सर्वाधिक बढ़ा। उसके बाद केकड़ी, शाहपुरा, अनूपगढ़, सांचौर, भीनमाल, मालपुरा, मसूदा और खैरथल-कठूमर से लेकर डीग-कुम्हेर तक बना हुआ है।

दो दिन पहले दूदू में शामिल होने से मना करने के बाद सांभर-फुलेरा और जोबनेर की जनता जिस तरह से मुख्यमंत्री के सलाहकार बाबूलाल नागर की धमकी के बाद अजमेर हाईवे पर उतरी और विवाद भड़क गया। उसके बाद अब मुख्यमंत्री ने जयपुर जिले के तमाम विधायकों को बुलाकर इस विवाद को सुलझाने का प्रयास शुरू किया है। हालांकि एक बात स्पष्ट है कि अब विधायकों ने जिस तरह से मुख्यमंत्री को फीडबैक दिया है, उसके बाद ना तो जयपुर शहर दो हिस्सों में बटेगा और ना अब दूदू जिला बन पाएगा। ऐसे में जयपुर ग्रामीण में एक नया जिला बन सकता है जिसमें कोटपूतली बहरोड में आने वाले क्षेत्र के अलावा बाकी बचे तमाम क्षेत्र शामिल किए जा सकते हैं।

विधायकों के साथ हुई बैठक के बाद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने यह आश्वासन दिया कि जबरदस्ती किसी क्षेत्र को दूदू में शामिल नहीं किया जाएगा। लोगों की भावनाओं का सम्मान होगा। बैठक में दूदू जिले को लेकर उठे विवाद पर मंत्री और विधायकों ने मुख्यमंत्री से खुलकर कहा कि इस मामले में जनभावना पूरी तरह खिलाफ है। बगरू, जोबनेर, फुलेरा, सांभर क्षेत्र के लोग दूदू में जाने को तैयार नहीं हैं। कृषि मंत्री लालचंद कटारिया ने बैठक में सीएम से साफ कहा कि जोबनेर से लेकर आसपास के लोग जयपुर से अलग नहीं होना चाहते हैं। यहां के लोग जयपुर जिले में ही रहना चाहते हैं, हमें जबरदस्ती नहीं करनी चाहिए। सांभर फुलेरा की जिले की मांग भी पुरानी है, इन लोगों की बात सुनने की जगह दूदू में जबरदस्ती शामिल करने से आक्रोश है, इस मामले को जल्द नहीं सुलझाया तो नुकसान होगा।

बैठक में जयपुर शहर के विधायकों ने भी एक सुर में कहा कि राजधानी के टुकड़े नहीं होने चाहिए। दूदू जिले में शामिल करने का विरोध कर रहे इलाकों के विधायकों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने लोकसभा क्षेत्र की तर्ज पर जयपर ग्रामीण और जयपुर लोकसभा में सभी आठों विधानसभा क्षेत्र शामिल किए जाएं। बैठक में यह सुझाव दिया गया कि इन इलाकों के लोग जयपुर के नाम से भावनात्मक रूप से जुड़े हुए हैं। जयपुर शहर क्षेत्र को जयपुर और दूदू और इसके आसपास के क्षेत्रों को मिलाकर जिले का नाम जयपुर ग्रामीण कर दिया जाता है तो लोग तैयार हो जाएंगे। ऐसे में अब दूदू जिले की जगह जयपुर ग्रामीण नाम किया जा सकता है। दूदू में शामिल होने का विरोध कर रहे चाकसू विधायक वेद प्रकाश सोलंकी ने बैठक के बाद कहा कि मुख्यमंत्री से जिलों के विवाद पर बात हुई है, सब समाधान हो जाएगा, सीएम खुद बयान देंगे, सीएम हमारी मांगों और सुझावों पर सकारात्मक है इसलिए अब नाराजगी जैसी बात नहीं है। मैंने साफ कहा है कि चाकसू विधानसभा क्षेत्र का कोई गांव दूदू में नहीं जाना चाहिए। माधोराजपुरा के लोग दूदू में शामिल कराने की कोशिश के खिलाफ आंदोलन कर रहे हैं। चाकसू क्षेत्र का एक भी गांव दूदू में नहीं जाना चाहिए। दूदू को अकेले जिला या राज्य जो भी बनाना है बना दीजिए।

वही मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने कहा कि सभी की भावनाओं का सम्मान किया जाएगा और किसी भी क्षेत्र को दूदू में जबरदस्ती शामिल नहीं किया जाएगा। वहीं उन्होंने कहा कि जयपुर शहर के दो जिले नहीं बनेंगे और एक ही जिला रहेगा। कुल मिलाकर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जिलों की बंपर घोषणा करके जो राजनीतिक फायदा लेना चाहते थे, अब हर जिले में उठ रहे विवाद के चलते कांग्रेस को इसका नुकसान होता ज्यादा दिख रहा है, क्योंकि कई जगह तो जिलों के बंटवारे में सीमांकन के दौरान एक विधानसभा 2 जिलों में जा रही है, तो कई जगह 3 जिलों में हिस्सा बट रहा है। ऐसे में अब कांग्रेस के जो मंत्री-विधायक जिलों की घोषणा पर स्वागत सत्कार करा रहे थे। अब वह किसी तरह से इस विवाद से बाहर निकलने के रास्ते ढूंढ रहे हैं।

सत्ता वापिसी का पैंतरा आज सरकार के गले की फांस बन गया : राजेन्द्र राठौड़

- 'सांभर-फुलेरा को जिला बनाने की मांग को लेकर हजारों लोग आंदोलनरत हैं जिस पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया और आंसू गैस के गोले दागे। लाठीचार्ज में 24 लोग घायल हो गए हैं
- 'सुजानगढ़, भीनमाल, सूरतगढ़, भिवाड़ी, लाडनूं, देवली व अनूपगढ़ को अलग जिला बनाने तथा घोषित जिलों डीडवाना-कुचामन, बहरोड-कोटपूतली में जिला मुख्यालयों के चयन और जयपुर व जोधपुर को एक जिले से दो भागों में विभक्त नहीं करने को लेकर जगह-जगह आंदोलन चल रहे हैं'

जयपुर। नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने वक्तव्य जारी कर कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा 17 मार्च को सदन में राजस्थान विनियोग (संख्या 2) विधेयक, 2023 और राजस्थान वित्त विधेयक 2023 पर चर्चा के दौरान रामलुभाया कमेटी की रिपोर्ट के आये बिना प्रदेश में 19 जिलों के गठन और 3 संभाग गठित की घोषणा करके सत्ता में वापिस लौटने का जो पैंतरा आजमाया गया था वो आज सरकार के गले की फांस बन गया है। नये जिलों को लेकर प्रदेश में चल रहे आंदोलन हिंसक हो गये हैं। कांग्रेस सरकार चुनाव के चलते जनभावनाओं के साथ खिलवाड़ कर रही है।

राठौड़ ने कहा कि सांभर-फुलेरा को जिला बनाने की मांग को लेकर हजारों लोग आंदोलनरत हैं जिस पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया और आंसू गैस के गोले दागे। लाठीचार्ज में 24 लोग घायल हो गए हैं। सुजानगढ़, भीनमाल, सूरतगढ़, भिवाड़ी, लाडनूं, देवली व अनूपगढ़ को अलग जिला बनाने तथा घोषित जिलों डीडवाना-कुचामन, बहरोड-कोटपूतली में जिला मुख्यालयों के चयन और जयपुर व जोधपुर को एक जिले से दो भागों में विभक्त नहीं करने को लेकर जगह-जगह आंदोलन चल रहे हैं। राठौड़ ने कहा कि राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 16 के तहत जनता से राय एवं सुझाव लेकर ही नोटिफिकेशन जारी कर नये जिलों का गठन किया जा सकता है। नये जिलों की घोषणा को 3 माह से अधिक समय बीत चुका है। 1 अप्रैल 2023 को विधिवत रूप से नये जिले अस्तित्व में आ जाने चाहिये थे लेकिन अभी तक सरकार ने कलेक्टर की बजाय महज विशेषाधिकारी लगाये हैं। दुर्भाग्य है कि कांग्रेस सरकार ने नये जिलों के लिए ना तो अभी तक कोई नोटिफिकेशन जारी किया है और ना ही जनता से कोई राय/सुझाव/आपत्तियां मांगी हैं। जिलों के गठन की घोषणा के बाद से ही घोषित जिलों में आपाधापी में भू-माफिया गैंग सक्रिय हो गई है जिससे अराजकता का वातावरण बन रहा है।

राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने आनन-फानन में रामलुभाया कमेटी की रिपोर्ट के इंतजार के बिना व बिना कोई विधिक प्रक्रिया अपनाएं और बिना किसी प्रशासनिक सुदृढ़ता के नये जिलों/संभागों की घोषणा करके महज राजनीतिक उद्देश्यों की पूर्ति मात्र करने का ढोंग किया है। राठौड़ ने कहा कि प्रदेश में 19 जिलों व 3 संभागों के लिए गठन के लिए सरकार ने महज 2 हजार करोड़ रुपये का प्रावधान किया है जबकि इतने बजट की आवश्यकता तो अकेले एक नये जिले को होगी। सरकार के कार्यकाल में चुनाव आचार संहिता लगने में मात्र 3 माह बचे हैं और सरकार द्वारा नियुक्त ओएसडी सीमांकन के कार्य से कोसों दूर हैं क्योंकि अभी तक उन्हें स्वयं के कार्यालय ढूंढने में ही मशक्कत करनी पड़ रही है। राठौड़ ने कहा कि सरकार ने जिन जिलों की घोषणा की थी, उसमें जयपुर एवं जोधपुर को दो अलग अलग जिलों में बांटने को लेकर अभी भी असमंजस की स्थिति बरकरार है। इसी प्रकार कुचामन व डीडवाना जिला की दूरी महज 45 किमी है। कोटपूतली-बहरोड में से जिला हेडक्वार्टर कौनसा रहेगा, इसको लेकर भी असमंजस की स्थिति है। मुख्यमंत्री ने समर्थित दोनों निर्दलीय विधायकों को खुश करने के लिए दूदू और गंगापुर सिटी को सीधा जिला बना दिया। सरकार और कांग्रेस का अंदरूनी अंतर्द्वंद्व भी अब नए जिलों के आंदोलन में सड़कों पर देखा जा सकता है। कई जगह तो सिरफुटौव्वल तक की नौबत आ रही है। यानी सरकार ने बिना किसी कमेटी की रिपोर्ट के, बिना जन सुझाव मांगें सिर्फ राजनीतिक हितों की पूर्ति के लिए नये जिलों की घोषणा कर घोषणा कर डाली जो न्यायसंगत नहीं है।

भागवत कथा में कृष्ण रुक्मणी का विवाह कराया

- भाजपा विधायक अशोक लाहोटी कथा सुनने पहुंचे
- कथा का आज भंड़ारा प्रसादी के साथ समापन होगा

जयपुर। राजधानी के दुर्गापुरा इलाके में रेलवे स्टेशन के सामने स्थित राजा मानसिंह स्कूल में भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। सोमवार को कथा में कृष्ण-रूक्मणी विवाह के प्रसंग का वर्णन किया गया।

21 जून से चल रही भागवत कथा में भगवान कृष्ण की विभिन्न लीलाओं का वर्णन किया जा रहा है। कथावाचक संत महेशराम जी महाराज ने सोमवार को कथा में कृष्ण रुक्मणी विवाह कराया गया। इस दौरान उन्होंने श्रोताओं को भगवान कृष्णन और रुक्मणीजी के विवाह की कहानी सुनाई। इसके अलावा भगवान के रणछोड़ नाम का भी वृतांत सुनाया। कथा के दौरान कृष्ण और रूक्मणी जी की झांकी सजाई गई। श्रृद्धालुओं ने भगवान को उनके विवाह के अवसर पर उपहार भेंट कर उनकी पूजा अर्चना की। इस बीच सैकड़ों भक्तों ने भगवान के भजनों और गीतों पर जमकर नृत्य किया।

इस अवसर पर सांगानेर से भाजपा विधायक अशोक लाहोटी भी कथा सुनने पहुंचे। आज की कथा समाप्त होने के बाद श्रद्धालुओं के लिए प्रसादी वितरण किया गया। मंगलवार को भागवत कथा का समापन हो गया। इस अवसर पर भंड़ारे का आयोजन किया गया है।

दुष्कर्मी युवक को दस साल की सजा

जयपुर, (का.सं.)। पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत क्रम-2 महानगर प्रथम ने नाबालिग का अपहरण कर उसके साथ दुष्कर्म करने वाले युवक अमन को दस साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने 21 वर्षीय इस अभियुक्त पर तीस हजार रुपए का जुर्माना लगाया है। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि पीड़िता के कपड़ों पर अभियुक्त का डीएनए मैच हुआ है। इससे साबित है कि उसने पीड़िता से संबंध बनाए थे। इसके अलावा पीड़िता के नाबालिग होने के चलते उसकी सहमति कानून में कोई महत्व नहीं रखती है।

आचार्य सौरभ सागर का बापू नगर में मंगल प्रवेश

जयपुर। आचार्य पुष्पदंत सागर महाराज के शिष्य आचार्य सौरभ सागर महाराज का सोमवार को बापू नगर स्थित दिगंबर जैन मंदिर में मंगल प्रवेश संपन्न हुआ। इस दौरान समाज श्रेष्ठि राजीव जैन गाजियाबाद वाले, महेंद्र पाटनी, अशोक पाटनी, मनोज झांझरी, आलोक जैन तिजारिया, राजेश बड़जात्या, बाबूलाल जैन इटुंदा चातुर्मास कमेटी अध्यक्ष कमलेश जैन (बावड़ी वाले), मंत्री महेंद्र जैन पचाला वाले, मुख्य समन्वयक गजेंद्र बड़जात्या, कार्याध्यक्ष दुर्गालाल जैन नेता सहित बापू नगर जैन समाज, युवा मंडल, महिला मंडल की पदाधिकारियों ने आचार्य श्री अगवानी की।

प्रचार संयोजक सुनील साखुनियां ने बताया कि इस वर्ष आचार्य सौरभ सागर महाराज का चातुर्मास प्रताप नगर स्थित सेक्टर 8 दिगंबर जैन मंदिर में होगा, आचार्य श्री का 29 जून को प्रताप नगर में भव्य मंगल प्रवेश होगा, रविवार को आचार्य सौरभ सागर महाराज ने जयपुर नगरी में पहली बार मंगल प्रवेश किया था, जिसके बाद सोमवार को बापू नगर, मंगलवार को दुर्गापुरा, बुधवार को चित्रकूट कॉलोनी, सांगानेर में प्रवेश करेंगे, गुरुवार को चित्रकूट कॉलोनी से विहार कर श्योपुर रोड, पिंजरपोल गौशाला, हल्दीघाटी मार्ग से होते हुए प्रताप नगर सेक्टर 8 में प्रवेश करेंगे। रविवार 2 जुलाई को चातुर्मास मंगल कलश स्थापना, 3 को गुरुपूर्णिमा महोत्सव, 4 को वीर शासन जयंती आचार्य श्री के सानिध्य में मनाई जाएगी।

सोमवार को आचार्य श्री ने बापू नगर में मंगल प्रवेश करने के पश्चात श्रीजी के दर्शन किए इसके उपरांत धर्मसभा का आयोजन हुआ, सभा के बाद समाजश्रेष्ठि राजीव - सीमा जैन गाजियाबाद वाले के निवास पर आचार्य श्री की आहार चर्या संपन्न हुई।

भारत ने रिकॉर्ड 202 पदकों से साथ बर्लिन को कहा अलविदा

बर्लिन, 26 जून। आशाओं और उत्साह से भरी भारतीय टीम ने 2023 स्पेशल ओलंपिक विश्व खेलों में अपना अभियान रिकॉर्ड 202 पदकों के साथ समाप्त किया है। भारत के प्रेरणादायक एथलीटों ने रविवार को समाप्त हुए आयोजन में 76 स्वर्ण, 75 रजत और 51 कांस्य पदक हासिल किए, जिसमें आखिरी दिन धावकों ने बहुमूल्य योगदान दिया। भारत ने ट्रैक पर आखिरी दिन दो स्वर्ण, तीन रजत और एक कांस्य सहित छह पदक अपनी झोली में डाले। आंचल गोयल (408 मीटर, महिला लेवल बी) और रविमति अरुमुगम (400 मीटर, महिला लेवल सी) ने पोडियम पर शीर्ष सम्मान हासिल किया। मिनी जेवलिन (लेवल बी) में रजत जीतने वाले साकेत कुंडू ने पुरुष लेवल बी 400 मीटर में भी कांस्य का तमगा जीता। स्पेशल ओलंपिक भारत की अध्यक्ष, डॉ. मल्लिका नड्डा ने बर्लिन खेलों में भारतीय दल के प्रदर्शन पर कहा, हमारे ज्यादातर एथलीटों को विभिन्न प्रकार के सामाजिक भेदभाव का सामना करना पड़ा है, और विभिन्न क्षेत्रों में उन्हें समाज का गैर-कार्यशील सदस्य माना गया है। यह विचार गलत है। खेल के मैदान में उनका प्रदर्शन साबित करता है कि वे ताकत, गति, एकाग्रता और अनुशासन दिखाने में सक्षम हैं। मुझे उम्मीद है कि इससे बाहर के लोगों की आंखें खुलेंगी और यह साबित हो जाएगा कि हमें इस आंदोलन को और विस्तारित करने एवं इसे अधिक समावेशी बनाने की जरूरत है।

काशी को मिलेगी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम की सौगात

लखनऊ, 26 जून। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी को अगले साल के अंत तक अंतरराष्ट्रीय स्तर के क्रिकेट स्टेडियम की सौगात मिल सकती है। अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस यह उत्तर प्रदेश का यह पहला क्रिकेट स्टेडियम होगा जिसका संचालन बीसीसीआई (बोर्ड ऑफ कंट्रोल फॉर क्रिकेट इन इंडिया) करेगा। लांग टर्म लीज तहत वह हर साल इसके एवज में एक तय रकम भी सरकार को देगा। करीब 31 एकड़ के विस्तृत परिसर पर में बन रहे इस स्टेडियम के निर्माण में करीब 350 करोड़ रुपये की लागत आएगी। इसकी सिटिंग कैपिसिटी (बैठने की या दर्शक क्षमता) 30 हजार होगी। काशी का यह स्टेडियम पूर्वांचल ही नहीं सटे हुए बिहार, मध्य प्रदेश (एमपी), छत्तीसगढ़ के युवा खिलाड़ियों के हुनर को निखारने का बेहतरीन केंद्र बनेगा। उल्लेखनीय है कि वाराणसी में वर्ल्ड क्लास क्रिकेट स्टेडियम का प्रस्ताव पहले से था। समस्या जमीन की थी। पूरी प्रक्रिया में सितंबर 2022 से तेजी आयी। जमीन की खरीद के लिए 120 करोड़ रुपये का बजट कैबिनेट से मंजूर होने के बाद करीब 31 काश्तकारों से जमीन खरीदी गयी। सरकार की ओर से जमीन उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (यूपीसीए) को सौंपी जा चुकी है। इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में देश की सबसे नामचीन संस्थाओं में से एक लार्सन एंड टुब्रो (एलएनटी) को इसकी कार्यदायी संस्था बनाया गया है। डिजाइन को अंतिम रूप दिया जा रहा है। डिजाइन/नक्शे पर अंतिम निर्णय होते ही निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा।

आयरलैंड नहीं खेलेगा वनडे वर्ल्ड कप

क्वालीफायर में सभी मैच हारे, श्रीलंका-स्कॉटलैंड के साथ ओमान सुपर-6 में पहुंचा

बुलवायो, जिम्बाब्वे, 26 जून। श्रीलंका ने एक छोर पर लगातार विकेट भी गंवाए और टीम 49.5 ओवर में 325 रन पर ऑलआउट भी हो गई। आयरलैंड से मार्क अडायर ने 4 और बैरी मैकार्थी ने 3 विकेट लिए। गारेथ डिलेनी को 2 विकेट मिले, वहीं एक बैटर रनआउट हुआ।

326 रन के विशाल टारगेट का पीछा करने उतरी आयरलैंड की शुरुआत खराब रही। टीम ने 21 रन पर ही ओपनर पॉल स्टर्लिंग का विकेट गंवा दिया। 39 रन के स्कोर पर एंडी मैक्ब्राइन भी आउट हो गए। 58 रन के स्कोर तक टीम ने कप्तान एंडी बालबर्नी और लॉर्कन टकर के विकेट भी गंवा दिए।

4 विकेट गिरने के बाद हैरी टेक्टर और कर्टिस कैम्फर ने आयरलैंड की पारी संभाली। लेकिन टूर्नामेंट के टॉप-विकेट टेकर वनिंदु हसरंगा ने विकेट लेने जारी रखे। उन्होंने पहले टेक्टर को किया, फिर बाकी बैटर्स को भी पवेलियन भेज दिया। टेक्टर के विकेट के बाद कैम्फर पर भी

दबाव आया और वह महीश तीक्षणा का शिकार हो गए।

क्वालिफायर के लगातार तीसरे मैच में हसरंगा ने 5 विकेट लिए और आयरलैंड की टीम 192 रन पर ऑलआउट हो गई। हसरंगा के अलावा महीश तीक्षणा को 2 विकेट मिले। वहीं कसून रजिथा, लहिरु कुमारा और दसुन शनाका को 1-1 विकेट मिला। रविवार के एक अन्य मुकाबले में स्कॉटलैंड ने ओमान को हरा दिया। बुलवायो एथलेटिक क्लब के मैदान पर ओमान ने टॉस जीतकर पहले फील्डिंग चुनी। स्कॉटलैंड की शुरुआत खराब रही और टीम ने पहले ही ओवर में क्रिस्टोफर मैक्ब्राइड का विकेट गंवा दिया। मैक्ब्राइड अपना खाता भी नहीं खोल सके।

पहले ही ओवर में विकेट गंवाने के बाद ओपनर मैथ्यू क्रॉस ने ब्रेंडन मैक्मुलेन के साथ पारी संभाली। दोनों ने 82 रन की पार्टनरशिप की। क्रॉस 27 रन बनाकर आउट हो गए। उनके बाद उतरे कप्तान रिची बैरिंगटन ने 60 रन बनाए और मैक्मुलेन के साथ सेंचुरी पार्टनरशिप कर ली। बैरिंगटन के आउट होने के बाद मैक्मुलेन भी सेंचुरी बनाकर आउट हो गए। वह 121 बॉल पर 136 रन बनाकर आउट हुए।

बैरिंगटन और मैक्मुलेन के बाद टोमास मैकइंटोस ने 32 और मार्क वॉट ने 25 रन बनाकर टीम का स्कोर 300 रन के पार पहुंचा दिया। टीम का आखिरी बैटर एड्रियन नील 50वें ओवर की आखिरी बॉल पर रनआउट हुआ। ओमान से बिलाल खान ने 5 विकेट लिए और स्कॉटलैंड ने 320 रन बना दिए।

झूलन गोस्वामी एमसीसी व्लर्ड क्रिकेट कमेटी में शामिल

इंग्लैंड की हीथर नाइट और ओएन मोर्गन के भी नाम, लॉर्ड्स में होगी बैठक

लंदन, 26 जून। दिग्गज भारतीय महिला क्रिकेटर झूलन गोस्वामी और इंग्लैंड के दो खिलाड़ी हीथर नाइट और पूर्व कप्तान ओएन मोर्गन वर्ल्ड क्रिकेट कमेटी (डब्ल्यूसीसी) की लॉर्ड्स में होने वाली बैठक से पहले शामिल किए गए हैं। क्लब ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। मीटिंग आने वाले सोमवार और मंगलवार को एशेज टेस्ट मैच के पहले होगी।

क्रिकेट के नियम बनाती है और समय-समय पर इसमें भी बदलाव भी करती है। मेरिलबोन क्रिकेट क्लब आज से साल 1787 में अस्तित्व में आया था। इसका हेडक्वार्टर इंग्लैंड का लॉर्ड्स मैदान में है। के आने से पहले के नियमों पर ही क्रिकेट खेला जाता था। आज भी के नियमों पर ही चलता है। अभी भी क्रिकेट के नियम बनाता है, लेकिन वे से हो कर ही गुजरते है।

विमेंस क्रिकेट में सबसे तेज बॉलर्स में से एक मानी जाने वाली गोस्वामी ने पिछले साल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था, उन्होंने आखिरी मैच इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स में खेला था, जहां उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया था। अप्रैल 2023 में गोस्वामी को ने ऑनरी लाइफ मेंबर बनाया था। गोस्वामी के में आने पर कमेटी के माइक गेटिंग ने कहा कि, मॉर्गन, गोस्वामी और नाईट के आने से हम खुश है। इस सभी प्लेयर्स ने इंटरनेशनल क्रिकेट में अपना नाम बनाया है। इन्हें इंटरनेशनल क्रिकेट की समझ है। इसका कमेटी को फायदा होगा।

टेबल टेनिस : सुतिर्था और अयहिका ने रचा इतिहास

इस साल पहला डब्ल्यूटीटी कंटेंडर जीता, विमेंस डबल के फाइनल में जापानी जोड़ी को हराया

नई दिल्ली, 26 जून। भारतीय पैडलर सुतिर्था मुखर्जी और अयहिका मुखर्जी ने (डब्ल्यूटीटी) वर्ल्ड टेबल टेनिस कंटेंडर की विमेंस डबल्स कैटेगरी का खिताब जीत लिया है। इस जोड़ी ने जापान की मियु किहारा और मिवा हारीमोटो को 3-1 (11-5,11-6,5-11,13-11) से हराया। भारतीय जोड़ी ने साल का पहला कंटेंडर जीता है। इंडियन पेयर ने पहली बार इस टूर्नामेंट की विमेंस डबल कैटेगरी का टाइटल जीता है। यह प्रतियोगिता ट्विनीशिया में चल रही है। फाइनल मुकाबले में भारतीय जोड़ी ने लगातार दो गेम जीतकर मुकाबले में 2-0 की बढ़त ले ली, तभी जापानी खिलाड़ियों ने तीसरा गेम 11-5 से जीतते हुए स्कोर 2-1 कर दिया। फिर भारतीय खिलाड़ियों ने चौथा गेम 13-11 से जीतते हुए खिताब अपने नाम किया।

सुतिर्था-अयहिका की जोड़ी ने सेमीफाइनल मुकाबले में नंबर-1 सीड शिन युबिन और जियोन जिही की कोरियाई जोड़ी को 3-2 (7-11 11-9 11-9 7-11 11-9) से हराया। मिक्स्ड डबल्स कैटेगरी में मनिका बत्रा और जी साथियान की भारतीय जोड़ी के अलावा मानव ठक्कर और मानुष शाह की पुरुष युगल जोड़ी को अपने-अपने सेमीफाइनल मैच में हार का सामना करना पड़ा। इससे पहले बत्रा और साथियन की जोड़ी ने क्वार्टर फाइनल ने सेड्रिक मीस्नर और युआन वान की जर्मन जोड़ी को एकतरफा मुकाबले में 3-0 से हराया था। मेंस सिंगल्स में अचंता सरथ कमल और साथियान पहले दौर में ही टूर्नामेंट से बाहर हो गए थे। विमेंस सिंगल्स में भी भारत का कैंपेन समाप्त हो गया क्योंकि अयहिका मुखर्जी को राउंड 16 में जापान की मियू नागासाकी से 0-3 (5-11 9-11 10-12) से हार का सामना करना पड़ा। बत्रा, श्रीजा अकुला और दीया चितले फर्स्ट राउंड से आगे बढ़ने में नाकाम रहे थे। मेंस सिंगल्स में हरमीत देसाई को शुक्रवार को प्री-क्वार्टर फाइनल में चीन के लियांग यानिंग के हाथों 0-3 से हार का सामना करना पड़ा। इंटरनेशनल टेबल टेनिस फेडरेशन ने 2019 में वर्ल्ड टेबल टेनिस ऑर्गेनाइजेशन बनाया था। यह वर्ल्ड टूर से इतर एक कॉमर्शियल टूर्नामेंट है। इसका पहला संस्करण नवंबर-2020 में मकाओ (चीन) में आयोजित किया गया था। यह नियम और प्राइज मनी के लिहाज से वर्ल्ड टूर से अलग है। के 4 टूर्नामेंट होते है। पहला- ग्रैंड स्मैश, दूसरा- सीरीज, तीसरा- चैंपियंस सीरीज और चौथा- कंटेंडर। ग्रैंड स्मैश में टॉप प्लेयर्स खेलते है, जबकि सीरीज अलग-अलग जगह पब्लिक स्पेस (बार, पार्क या गली) में खेली जाती है, वहीं चैंपियंस सीरीज में दुनियाभर के 32 पैडलर अलग-अलग कैटेगरी में हिस्सा लेते है। साथ ही कंटेंडर में सभी प्रोफेशनल एथलिट को खेलने का मौका मिलता है।

शतरंज से शांत रहने में मिलती है मदद : चहल

दुबई, 26 जून। भारतीय लेग-स्पिनर और पूर्व अंडर-12 राष्ट्रीय शतरंज चैंपियन युज़वेंद्र चहल ने भले ही पेशेवर तौर पर शतरंज का दामन छोड़ दिया हो, लेकिन इस खेल से मिला धैर्य क्रिकेट में उनके बहुत काम आया है। ग्लोबल चेस लीग (जीसीएल) की टीम एसजी एल्पाइन वॉरियर्स के अंबैसडर चहल ने कहा, मुझे मेरी पहली जर्सी शतरंज के ज़रिये ही मिली। मैंने बीते वर्षों में इस खेल से धैर्य सीखा है। इससे मुझे क्रिकेट में भी मदद मिलती है क्योंकि कभी-कभी अच्छी गेंदबाजी के बाद भी मुझे विकेट नहीं मिलता। ऐसे समय पर धैर्य बेहद काम आता है।

टेक महिंद्रा और अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फिडे) के संयुक्त प्रयास से आयोजित जीसीएल को मैगनस कार्लसन और विश्वनाथन आनंद जैसे पूर्व विश्व चैंपियनों से वाहवाही मिली है। इस टूर्नामेंट का पहला सीजन दुबई में 21 जून को शुरू हुआ और इसका समापन दो जुलाई को होगा। चहल ने जीसीएल के टीम प्रारूप की तारीफ करते हुए कहा कि यह शतरंज का आईपीएल है।

रॉबिन्सन को चुप रहने की जरूरत है : क्लार्क

लंदन, 26 जून। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क ने एशेज़ टेस्ट शृंखला के विवादों पर आग में घी डालते हुए कहा है कि इंग्लैंड के गेंदबाज़ ओली रॉबिन्सन को 'चुप रहने' और विकेट लेने पर ध्यान देने की ज़रूरत है। क्लार्क ने स्काई स्पोर्ट्स के कार्यक्रम बिग स्पोर्ट्स ब्रेकफास्ट पर कहा, उसे (रॉबिन्सन को) चुप रहने की ज़रूरत है। अगर इंग्लैंड के सभी खिलाड़ी फिट होते तो ओली को टीम में जगह भी नहीं मिलती।

पहलवानों का बृजभूषण के खिलाफ आंदोलन खत्म करने का ऐलान

साक्षी-विनेश और बजरंग बोले- अब लड़ाई सड़कों पर नहीं, कोर्ट में लड़ेंगे

पानीपत, 26 जून। भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण सिंह के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे पहलवानों ने आंदोलन खत्म कर दिया है। महिला पहलवान साक्षी मालिक, विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया ने रविवार देर रात ऐलान किया। इनका कहना है कि अब अपनी लड़ाई सड़क पर नहीं, अदालत में लड़ी जाएगी। ये तब तक जारी रहेगी, जब तक न्याय नहीं मिल जाता।

साक्षी ने लिखा, सरकार के साथ 7 जून को बातचीत हुई। सरकार ने पहलवानों के साथ किए वादे पर अमल करते हुए महिला कुश्ती खिलाड़ियों की और से महिला उत्पीड़न और यौन शोषण के संबंध में की गई शिकायतों पर दर्ज की। दिल्ली पुलिस ने जांच पूरी करके 15 जून को कोर्ट में चार्जशीट पेश कर दी है। इस केस में पहलवानों की कानूनी लड़ाई सड़क की जगह कोर्ट में जारी रहेगी। कुश्ती संघ के सुधार के संबंध में नई कुश्ती संघ के चुनाव की प्रक्रिया वादे के अनुसार शुरू हो गई है। चुनाव 11 जुलाई को होना तय है। सरकार ने जो वादे किए हैं, उस पर अमल होने का इंतजार रहेगा।

विनेश फोगाट अगले महीने बुडापेस्ट में पॉलीक इमरे और वर्गा जानोस मेमोरियल प्रतियोगिता में भाग लेंगी। विनेश को उनकी पसंद के कोच और फिजियो भी दिए गए हैं। बुडापेस्ट इवेंट कुश्ती साल की चौथी और आखिरी रैंकिंग सीरीज है। एडहॉक कमेटी और सरकार के अधिकारियों के बीच हुई बैठक में विनेश के नाम को मंजूरी दी गई, जिससे 10 महीने बाद अब उनकी मैट पर वापसी हो रही है। एशियाई खेलों और विश्व चैंपियनशिप पर भारत की नजर हमेशा से रहती है।